

MR. SPEAKER: What is the point in asking supplementaries? There is no point in wasting time. The same standard reply will come, viz. that he will get the information. We can at least get a reply in respect of the next question. The hon. Member has specifically asked the Minister how much time he would need. The Minister has said, "very soon" I am not going to allow any further question.

SHRI JYOTIRMOY BOSU: Will the hon. Minister circulate the information to the Members within ten days?

SHRI SIKANDAR BAKHT: We will circulate it to the Members.

श्री उरसेन : जब मंत्री जी जवाब दे दें, तो उस पर बहस हो जाये।

MR. SPEAKER: I will consider. Now question 208.

पावर टिलर

*208. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या कृषि और सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनके मंत्रालय के माध्यम से कृषि यांत्रिकी विभाग और भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् को यह जांच करने के लिए लिखा जाता रहा है कि क्या भारत में अनेक कम्पनियों द्वारा बनाए जा रहे पावर टिलर भारतीय जलवायु आदि के अनुकूल हैं परन्तु इस मामले में अब तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है; और

(ख) क्या इस पावर टिलर में ये दोष हैं :—इसका तेल बाहर निकलता है; यह आसानी से स्टार्ट नहीं होता है; जंग लगने के कारण इस के कल पुर्जे टूट जाते हैं और मशीन से अलग हो जाता है; इसकी जुताई क्षमता कम है; इसको खड़े होकर चलाना पड़ता है; यह 10 अश्व शक्ति के स्थान पर 14 अश्व

शक्ति से चलता है; फालतू पुर्जे आसानी से उपलब्ध नह होते हैं; तथा इसकी मरम्मत आदि की भी सुविधा उपलब्ध नहीं है ?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) and (b): A statement is placed on the Table of the Sabha.

Statement

(a) A few communications have been received from the Hon'ble Member complaining about certain defects in the power tiller which he had purchased. The matter was taken up with the manufacturers who have since reported in May 1977 that necessary action was being taken by them to remove the defects.

(b) Government have not received general complaints about the specific defects mentioned by the Hon'ble Member, but since power tiller are rather new on the Indian agricultural scene and have been adopted on a very small scale yet, the problems of spare parts and inadequate after sale service are expected to be overcome gradually. Power tiller currently in production in India are upto 12 HP, and are not of 14 HP.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मैं मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि क्या मंत्री जी ने यह एग्जामिन करवाया है कि पावर टिलर जो विभिन्न कम्पनियों द्वारा बनाए जाते हैं वे हिन्दुस्तान की क्लाइमेट के लायक नहीं हैं इसके अलावा पावर टिलर के जो यंत्र दिये गये हैं और जो जापानी कोलाबोरेशन के द्वारा एयर कूलर बनाए गये हैं वे भी हिन्दुस्तान की क्लाइमेट के लायक नहीं हैं और जानबूझ कर ऐसे यंत्र दिये गये हैं। एक जानकारी तो मैं यह चाहता हूँ।

दूसरी जानकारी यह चाहता हूँ कि क्या पावर टिलर की कीमत अधिक नहीं है? कीमत अधिक होने के लिए सरकार स्वयं जिम्मेदार है क्योंकि 40 परसेन्ट इस पर

आयात कर हैं, 20 परसेन्ट एक्ससाइज ड्यूटी है और 3 से 13 परसेन्ट तक सल्लेक्स है। इस तरह से पावर टिलर के प्रचार में एक बाधा यह भी है। इस के अलावा दूसरी बाधा यह है कि एयर कूलर या दूसरे यंत्र जब खराब हो जाते हैं, तो वे यहां पर किसी कम्पनी के पास से प्राप्त नहीं होते हैं और मरम्मत भी ज़िला स्तर पर नहीं हो पाती। इन सब बातों के बारे में मंत्री जी जानकारी दें।

MR. SPEAKER: Unfortunately, the Question Hour is becoming an hour almost of a minor debate.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: There are 6 different concerns manufacturing the tillers. They all started with imports from Japan, because Japan is the country where tillers are in large circulation. There are about 2.50 million tillers in Japan. There is one indigenous Krishi (India) Ltd. at Hyderabad; and there are 5 others which are in collaboration with the Japanese firms. So, we are producing tillers which have air-cooled engines. We have not received any serious complaints regarding the air-cooled engines. Some of the power tiller manufacturers prefer air-cooled engines due to their low weight and low cost. There is no proof that water-cooled engines are more desirable or durable as compared to well-designed air-cooled engines. In fact, air-cooled engines are now being used by some of the tractor manufacturer also. Regarding prices, when originally these tillers were imported, the price range was Rs. 4,000 to 7,000. Subsequently, when we started producing them in the country, the prices have risen from Rs. 12,000 to 22,000. The reason are increase in the price of raw materials, increase in the import duty on tiller packs which is about 40 per cent, Central sales-tax of four per cent and State sales-tax, which ranges from 6 to 9 per cent. These have raised the prices.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या सरकार की यह नीति नहीं है कि छोटे और मध्यम दर्जे के किसानों के लिए ये पावर टिलर उपयुक्त हैं, जुताई और सिंचाई आदि के लिए? क्या सरकार की मंशा इन के प्रचार प्रसार की नहीं है? यदि है तो इसकी कीमतों को घटाने के बारे में सरकार क्या कार्यवाही कर रही है? इसके साथ-साथ क्या सरकार को इस बात की सूचना नह मिली है कि इसमें कुछ खराबियां हैं। मैंने स्वयं इस पर एक्सपेरिमेंट किया है और सरकार के यांत्रिक विभाग को चिट्ठी लिखी है कि इसमें काम्प्लेंट्स हैं। आप कह रहे हैं कि इसमें कोई विशेष काम्प्लेंट नहीं है।

श्री श्री मिह बरनाला : जहां तक आनरेबल मेम्बर की काम्प्लेंट का सवाल है, वह आयी थी, इस काम्प्लेंट को एग्जामिन कराया गया और उसके बाद फर्म को लिखा गया कि इस मशीन को ठीक किया जाए। उसके बाद फिर इनका एक खत आया जिसके बारे में फिर कम्पनी को लिखा गया कि इनकी मशीन जल्दी से ठीक करायी जाए। कम्पनी ने अपनी लोकल ब्रांच को आदेश दिया है और वह मशीन ठीक हो रही है। कम्पनी की हमें रिपोर्ट मिली है कि मशीन ठीक हो रही है अगर उसमें कोई नुक्स होगा तो वे हमें लिखेंगे।

I will again take up the matter with the firm and get the machines checked up.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : इसके प्रचार प्रसार करने के बारे में आपने क्या नीति तय की है? इसकी प्राइस 4-5 हजार से लेकर इतनी बढ़ा दी है कि 12 से 22 हजार कर दी गयी है और वह 25 हजार में जाकर बैठता है। मैंने इस पावर टिलर जो लेकर एक्सपेरिमेंट किया है और इसमें जो काम्प्लेंट्स

हैं उनके बारे में इनके यांत्रिक विभाग को भी लिखा था लेकिन ये कह रहे हैं कि इसमें कोई नुक़श नहीं है। इनका यह जवाब ठीक नहीं है। दूसरे इस पावर टिलर 10 से 14 हार्स पावर किया जाए ताकि यह काम के लायक बनाया जा सके। इनका जवाब भी आपने नहीं दिया है।

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : यह 10 से 14 पावर का नहीं हो सकेगा। अब दूसरे ट्रेक्टर भी आने लगे हैं और अब लोग फोर व्हीलर्स ट्रेक्टर ही पसन्द करेंगे इसको पसन्द नहीं करेंगे। अब जो टिलर बन रहे हैं वे 8 से 12 तक हार्स पावर के बन रहे हैं। जहाँ तक प्राइस का ताल्लुक है इसकी मशीनरी पर रिसर्च हो रही है। यह रिसर्च कई जगहों पर हो रही है और यह कोशिश की जा रही है कि कोई और मशीन छोटी इवोल्व की जाए।

SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: In order to reduce the price of tillers in the interests of agriculturists, is the Government willing to reduce the sales tax?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: For the time being it is not under consideration.

श्री भारत भूषण : मान्यवर मैं यह जानना चाहूंगा कि जो यह उत्तर दिया गया है कि आपके केस में कम्पनी को लिखा गया है, क्या इस प्रकार की और शिकायतें आप के पास नहीं आई हैं? मेरे विचार में आई होंगी। क्या आप इस बात की आवश्यकता नहीं समझते कि इस प्रकार की जितनी शिकायतें आप के पास आई हैं उन सब के बारे में आप फैक्टरी को लिखें कि आपकी मशीनरी के बारे में किसानों को ये शिकायतें हैं?

जमीनें छोटी होते जाने के कारण पावर सखिट' जो छोटे हों और कम कीमत के हों

और छोटी-छोटी जमीनें जिन के पास हैं उनकी एप्रोच के अन्दर हों उनकी मांग बढ़ती जा रही है। लेकिन देखा गया कि पावर टिलर की कीमत बहुत ऊंची होती गई है और टैक्सेशन की वजह से भी ऐसा हुआ है। क्या आप वित्त मंत्रालय से विशेष रूप से रिक्वेस्ट करेंगे और देखेंगे कि किसी प्रकार से उनकी कीमत कम की जाए और क्या आप इसके बारे में स्पेसिफिक आश्वासन सदन को देने की स्थिति में हैं?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : जहाँ तक कम कीमत के पावर टिलर बनाने का ताल्लुक है उसके लिए कई जगहों पर रिसर्च हो रही है, आई सी ए आर में हो रही है और ऐसा इवाल्ब करने को कोशिश हो रही है जिस में कुछ कास्ट कम आए और जो छोटे खेत के लिए इस्तेमाल किये जा सकें, उनके लिए उपयोगी हो सकें।

SHRI A. C. GEORGE: The hon. Minister in his earlier reply has pointed out that there are six major manufacturers of power tillers. Is he aware that the Kerala Agro-Industries Corporation, a public sector undertaking, is manufacturing excellent power tillers with the collaboration of the Japanese firm of Kubota, and that they have excellent market acceptance because of low price and good performance? But when this corporation came up for expansion of its capacity, there were innumerable difficulties put in its way by the Agricultural Ministry which says that the firm is over-capacitated. So, will the hon. Minister be kind enough to give good co-operation at least in its expansion proposal and other facilities required by it?

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: The demand for power tillers is decreasing, not increasing. We have only about 13,000 in the whole country where several million agricultural workers are working.

Regarding this firm, it is producing one power tiller in Kerala called Kubota. Their capacity utilisation has been on the decrease because there has not been any increase of demand. We have not been able to allow them to increase.

SHRI A. C. GEORGE: I seek your protection. There is a factual error in this. That may be the total picture, but this particular company has come up with an expansion programme.

MR. SPEAKER: He is giving the information that is available with him. If there is a factual error, you can point out, that is all.

SHRI SURJIT SINGH BARNALA: In 1975-76 they produced 547 tillers and in 1976-77 they produced only 455. That is why I said so. Till April, 1977 their production is only 34.

SHRI A. C. GEORGE: I only want a simple answer. Will they give facilities for expansion?

श्री हुकम देव नारायण यादव : एक तरफ जमीन की हदबन्दी के कानून पास होते हैं और उसके फलस्वरूप जमीन का टुकड़ा छोटा होता जाता है और दूसरी तरफ सरकार के द्वारा बिहार में एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन के जरिये जो ट्रैक्टर दिए जाते हैं वे महंगे ही नहीं होते बल्कि इन छोटी जोतों के काम में भी नहीं आते हैं। हदबन्दी के तहत जमीन का टुकड़ा चूँकि छोटा हो जाता है इस वास्ते बड़े ट्रैक्टर का जोत अनुत्पादक होता है। इस अवस्था में छोटी जोतों के लिए पावर टिल्लर कम कीमत में किसानों को मिले जो बहुत उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। इस दृष्टि से सरकार जो स्कूटर और मोटरकार वर्गरेह के कारखाने खोलती जा रही हैं उनको बन्द करके सारा पैसा इन पावर टिल्लर के कारखानों पर लगाएगी ताकि उत्पादन बढ़ सके और किसान लाभ उठा सकें ?

श्री सुरजीत सिंह बरनाला : लो कास्ट पावर टिल्लर हम कोशिश कर रहे हैं बनाए जाएं। यहां तक कि 3.9 हार्सपावर के जोकि केरोसीन से चल सकें और हर किसान खरीद सके बनाने की कोशिश की जा रही है। तमिलनाडु एग्रिकल्चरल यूनिवर्सिटी कोइम्बटूर में एकसपैरिमेंट हो रहे हैं, और जगहों पर भी हो रहे हैं, हर सम्भव कोशिश की जा रही है इनको बनाने की ताकि छोटे किसानों को ये मुहैया हो सकें।

MR. SPEAKER: I have allotted maximum time for the Demands for Grants of the Ministry of Agriculture. Whatever information the Minister has got, he has given to you. He will be able to give you more information while discussing the Demands of his Ministry? So, I am not allowing further questions on this. Now, we move on to the next question.

Regularising of unapproved colonies in Delhi

*209. SHRI P. K. KODIYAN: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether Government have decided to regulate all the unapproved colonies in Delhi constructed before June, 1972 and also to provide alternative accommodation/plots to those whose houses were demolished/land acquired without compensation;

(b) if so, whether Government are aware that no alternative accommodation has been provided so far to those whose houses in Mahendra Park, Man Enclave and Lakhi Park, which were demolished by D. D. A. in May, 1976; and

(c) if so, what measures are proposed to be taken in this regard?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) Government have